संस्कृ त विभाग द्वारा आयोवित - सत्र 2024- 25

नाट्य काययशाला : शासकीय विश्वनाथ यादि तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुग्य

नाट्य कार्यशाला : शासकीर् विश्वनाथ र्ादि तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालर् दुर्य छत्तीसढ़ के वहन्दी एिं संस्कृ त विभार् द्वारा वदनांक 24 जनिरी 2025 से 31 जनिरी 2025 तक नाट्य कार्यशाला का आर्ोजन वकर्ा जा रहा है।

इस कार्यशाला में दुर्य नर्र के समस्त महाविद्यालर्ों को कार्यशाला में सम्मिवलत होने के वलए आमम्मित वकर्ा र्र्ा है।

नाट्य कार्यशाला में तीन प्रस्तुवत दी जाएर्ी। वहन्दी विभार् से लोक में प्रवसद्ध नाचा एिं लोकमंचीर् प्रस्तुवत लोक नाट्य लोक नाट्य का प्रवशक्षण वदर्ा जा रहा है।

छत्तीसढ़ का नाचा एक ऐसी विधा है वजसका कोई म्मिप्ट नहीं होता। नाचा की इसी स्वाभाविकता को बनाए रखते हुए स्वाभाविक प्रवशक्षण वदर्ा जा रहा है वजसके प्रहसन का नाम है सुमत के वमटान एिं छत्तीसढ़ के लोक नाट्य अविपरीक्षा का अभ्यास वनरंतर जारी है।

संस्कृ त विभार् की ओर से संस्कृ त के कवि कावलदास के जीिन पर आधाररत मोहन राके श कावलम्मखत

"आषाढ़ का एक वदन " का अभ्यास मंचन के उद्देश्य से वकर्ा जा रहा है।

उक्त तीनों प्रस्तुवतर्ां वदनांक 31 जनिरी 2025 को शहीद िीर नारार्ण वसंह सभार्ार में प्रदवशयत की र्ई।

वजसे दशयकों ने बहुत पसंद वकर्ा।

कार्यक्रम का नाम :- संस्कृ त व्याख्यान माला

कार्यक्रम विििरण 1

संस्कृ त विभाग में व्याख्यान माला अंतगयत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर व्याख्यान का आयोिन

संस्कृ त विभार् में व्याख्यान माला का आर्ोजन वकर्ा र्ा वजसमें ििा के रूप में डॉ बहुरन वसंह पटेल एिं श्री प्रिीण कु मार झाडी उपस्थित थे ।

कार्यक्रम में सिप्रथम श्री प्रिीण झाडी ने भारतीर् ज्ञान परंपरा विषर् पर अपने विचार व्यक्त वकर्ा।

उन्होंने भारतीर् ज्ञान परंपरा अंतर्गत विद्यावथयर्ों को भारतीर् सावहत्य की र्रमा के बारे में बतार्ा। उन्होंने अपने सबोधंन में बतार्ा वक भारतीर् सावहत्य में नवतकता एिं आदशय की प्रवतवबंब वदखता है ।

उन्होंने रामार्ण तथा महाभारत का उदाहरण देते हुए बतार्ा वक जीिन में कैसे जीना है? अर्र जीना सीखना है तो संस्कृत सावहत्य को पढ़ना होर्ा।

संस्कृत सावहत्य में ही सबके कल्याण की बात कही र्ई है िेदों में विश्व के साथ पूरे ब्रह्ांड के वलए शांवत की प्राथयना की र्ई है ।

अर्ले ििा के रूप में आमवंत्रत डॉ बहुरन वसंह पटेल ने बतार्ा वक भारतीर् सावहत्य में संस्कृत सावहत्य का सबसे महत्वपूणय र्ोर्दान है । सबसे विशाल सावहत्य के साथ सबसे िैज्ञावनक भाषा होने का र्ौरि संस्कृत भाषा को ही प्राप्त है ।

उन्होंने कहा वक संस्कृ त ज्ञान विज्ञान की भाषा है संस्कृ त सावहत्य में 80% विज्ञान है, उन्होंने प्राचीन ऋवषर्ों का उल्लेख करते हुए बतार्ा भौवतक शास्त्र, रसार्न शास्त्र ,र्वणत शास्त्र ,खर्ोल शास्त्र ,भर्ोल शास्त्र तथा आर्ुिेद शास्त्रों में भारतीर् ऋवष - महवषयर्ों ने अपनी मेधा और प्रवतभा का भारतीर्ों ने सावहत्य रचना में भी विज्ञान के माध्यम से देश और दवनर्ा का भला वकर्ा ।

भारत सदा से ही विज्ञान में उन्नवत की चरम सीमा पर रहा आज हम वजस विज्ञान की बात करते हैं उसका आरंभ भारतीर् सावहत्य में दृविर्ोचर होता है हमें उन ज्ञान रावश को आज भी समझने की तथा उसे पर शोध करने की आिश्यकता है ।

उन्ोंने बतार्ा वक हम वजस थथार्ी विकास की बात करते हैं िह भारतीर् विज्ञान, भारतीर् दशयन के वबना संभि नहीं है ।

कार्यक्रम में क्रीडा विभार् के क्रीडावधकारी लक्ष्मेंद्र कुलदीप उपस्थथत थे। कार्यक्रम का संचालन बी ए षष्ठम सेमेस्टर के छाि कुलदीप साहू ने वकर्ा ।

समापन सि में संस्कृत विभार् अध्यक्ष प्रो जनेंद्र कुमार दीिान ने सभी अवतवथर्ों एिं विद्यावथयर्ों का धन्यिाद ज्ञापन तथा आभार प्रदशयन वकर्ा।

कायय्क्रम वििरण 2

व्याख्यान माला

संस्कृ त विभाग व्याख्यान माला अन्तगयत कररयर मागयदशयन एिं नैवतकता को िाना

सस्कं त विभार् में पीएम रुसा 2.0 के अन्तर्यत व्याख्यान का आर्ोजन वकर्ा र्ा वजसमें िक्ता के रूप में िशाै ली नर्र कॉलजे से प्रो म्हशे कु मार अलेंद्र तथा सस्कं त के जाने माने विद्वान् डॉ अजर् आर्य आमवं त थाे िेद मिं उच्चारण के पश्चात अवतवथर्ों का स्वार्त वकर्ा र्ा। स्वार्त के पश्चात डॉ अजर् आर्य ने सिप्रथम अपने विचार रखाें

उन्ोंने संस्कृ त सावहत्य में नैवतकता विषर् पर अपना व्याख्यान वदर्ा। कार्यक्रम में सस्कतृ विभार् के विभार् अध्यक्ष प्रो जनेंद्र कु मार दीिान ने अवतवथर्ों का शाल एिं श्री फल से स्वार्त वकर्ा। कार्यक्रम का संचालन msw के अवतवथ प्राध्यापक डॉ कम्मल देशलहरा ने वकर्ा। डॉ अजर् आर्य ने संस्कृ त श्लोक के माध्यम से नैवतकता एिं आदशय पर जोर देते हुए अपने जीिन को व्यिम्मथत ढंर् से जीने का तरीका

बतार्ा। उन्ोंने रामार्ण और महाभारत के प्रसंर् का भी उल्लेख वकर्ा वजससे विद्यावथयर्ों ने बडी सरलता से उनकी बातों को समझा ।

दूसरे िक्ता के रूप में आमंवित श्री महेश कुमार अलेंद्र ने विद्यावथयर्ों को संस्कृत में अपने कैररर वनमायण के विषर् में बतार्ा ।

वजसमें उन्ोंने बतार्ा वक वशक्षक से लेकर के विवभन्न प्रशासवनक सेिाओं में भी संस्कृत के माध्यम से आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्ोंने बतार्ा वक संस्कृत में कररर की कोई समस्या नहीं है।

संस्कृत में आप अनुिादक ,समाचारिाचक तथा धमयर्ुरु , प्राध्यापक जैसे महत्त्वपूणय पदों में भी जा सकते हैं ।

अंत में विभार् अध्यक्ष प्रो.जनेन्द्र कुमार दीिान ने सभी अवतवथर्ों का धन्यिाद ज्ञापन एिं आभार प्रदशयन वकर्ा।

कायक्रम वििरण 3

सस्कं ृत व्याख्यान माला का आयोिन

शा. वि. या. ता. स्ना. स्व. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
सत्र : 2024–25
रूसा योजनांतर्गत : 2.0
विभाग
माला
A+
NAAC
GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57ww+gvh, दीपक नगर, मालवीय नगर, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196496° Long 81.297241°
10/03/2025 12:58 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57ww+gvh, दीपक नगर, मालवीय नगर, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196531° Long 81.297225°
10/03/2025 01:00 PM GMT +05:30
Google

संस्कृ त विभार् में व्याख्यान का आर्ोजन वकर्ा र्ा वजसमें िक्ता के रूप में डॉ तोर्वनवध िैष्णि (सहार्क प्राध्यापक व्याकरण, सिाे वन्नत्ृ) तथा डॉ वदव्या दशपाडंे सहार्क प्राध्यापक, (सस्ंकत्ृ महाविद्यालर् रार्पुर)आमवंि त थे ।

डॉ वदव्या देशपांडे ने अपने सबोधनं में विद्यावथयर्ों को बतार्ा वक सस्कतृं सावहत्य में िवदकै सावहत्य का बहुत महत्वपूणय थथान है ।उन्होंने िैवदक सावहत्य के बारे में विद्यावथर्य ों को विस्तार पियूक बतार्ा।

उन्होंने िेदों की रचना के विषर् में बतार्ा। िदोे ं के मुख्य प्रवतपाद्य विषर्ों पर विद्यावथयर्ों को बतार्ा।
िेदार्ों ं के बारे में भी विद्यावथर्य ों को बतार्ा ।

उन्होंने िैवदक सावहत्य के बारे में चचाय करते हुए विद्यावथर्य ों को बतार्ा वक हमारे जो िेद और िेदारं् है इनको प्रत्र्के भारतीर् को पढ़ना चावहए क्र्ोंवक िेदार्ों ं के वबना हम िेद के अथों को समझ नहीं सकते हैं।

डॉ तोर्वनवध िैष्णि ने व्याकरण विषर् पर अपने उद्बोधन को प्रदान वकर्ा ।

उन्होंने बतार्ा वक सभी विषर्ों में व्याकरण सबसे मख्ुय थथान होता है र्वद व्याकरण पर अच्छे से पररश्रम वकर्ा जाए तो अन्य विषर् सरलता से समझ में आ जाते हैं ।उन्होंने व्याकरण के साथ सभी 6 अर्ों ं को भी पढ़ने का महत्व बतार्ा।

उन्होंने महाभाष्य से बहुत सारे उदाहरण देते हुए विद्यावथयर्ों को व्याकरण पढ़ने के वलए प्रेररत वकर्ा ।

कार्यक्रम में संस्कृ त विभार् के विभार् अध्यक्ष प्रो जैनेंद्र कु मार दीिान तथा वहंदी के अवतवथ पर प्राध्यापक डॉ रजनीश उमरे उपवथथत थे ।

कार्क्रमय का सचंालन बी ए वद्वतीर् समस्टेर की छािा कु र्ावशका ने वकर्ा तथा धन्यिाद ज्ञापन प्रो जनदें्र कु मार दीिान ने वकर्ा।

व्याख्यान माला 4

GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57wx+q26, दीपक नगर, मालवीय नगर, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196748° Long 81.297242°
24/03/2025 01:54 PM GMT +05:30
Google

संस्कृत विभाग
GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57wx+q26, दीपक नगर, मालवीय नगर, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196798° Long 81.297253°
24/03/2025 01:53 PM GMT +05:30
Google

संस्कृ त विभाग व्याख्यान माला अन्तगयत आयुिेद का महत्व िाना

सस्कृं त विभार् में पीएम रुसा 2.0 के अन्तर्तय व्याख्यान का आर्ोजन वकर्ा र्ेा वजसमें मख्ुय िक्ता केरू प में श्रीमती रेशम जोशी आमवितं थीं ।

उन्ोंने भारतीर् ज्ञान परं परा एिं वचवकत्सा शास्त्र विषर् पर अपना व्याख्यान वदर्ा। कार्यक्रम में सस्कृं त विभार् के विभार् अध्यक्ष प्रो जनदें कमारु दीिान उपम्मथथत ने उनका स्वार्त वकर्ा। कार्क्रमय का सचालं न बी ए षष्ठम समस्टरे की विद्याथी कु.मानसी वनषाद ने वकर्ा।

सभी विद्यावथर्य ों ने बडे ध्यान से व्याख्यान को सनाु तथा जीिन में धारण करने का सकल्पं वलर्ा ।

श्रीमती रेशम जोशी ने बतार्ा वक भारतीर् सावहत्य में वचवकत्सा शास्त्रों का महत्वपणयू थथान है ।भारत के ऋवष महवषर्य ों ने आर्िेुद के माध्यम से सपूं णय मानि जावत को एक महत्वपणयू विद्या प्रदान की है वजससे सभी मानिों तथा प्रावणर्ों को स्वास्थ्य लाभ होता है। भारत प्रारंभ से ही वचवकत्सा में बहुत महत्वपूणय थथान रखता आर्ा है ।

र्हाँ महवषय चरक और सश्रुु त जैसे महान ऋवषर्ों का जन्म हुआ है महवषय िार्भट्ट ,भर्िान धन्वंतरर जैसे देिताओं का अितरण हुआ है। सस्कृं त सावहत्य अत्यंत समद्धृ है वजसमें नाना प्रकार की विद्याओं का समािेश है ।अंत में विभार् अध्यक्ष प्रो.जनार्दन्द्रे कु मार दीिान ने सभी का धन्यिाद ज्ञापन एिं आभार प्रदशयन वकर्ा।

शासकीय विश्धनाथ यादि तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय द‌ुर्ग,छत्तीसर्ढ़
.

स्स्कं ृ तविभार् **2023-24.**

Extension Activity Session 2023-24 Village Rasmada Higher Secondary School, Date :17.10.2024.

GPS Map Camera
Rasamada, Chhattisgarh, India
56VC+WF3, Jalbandha Road, Rasamada, Siloda, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.198581°
Long 81.221212°
17/10/23 02:31 PM GMT +05:30
Google

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
हिंदी विभाग
विस्तार गतिविधि
राष्ट्रीय सेवा योजना
विस्तार गतिविधि
GPS Map Camera
Rasamada, Chhattisgarh, India
56VC+WF3, Jalbandha Road, Rasamada, Siloda, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.198649°
Long 81.221236°
17/10/23 02:22 PM GMT +05:30
Google

विस्तार गतिविधि संकलित ज्ञान का आदान-प्रदान

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी एवं संस्कृत विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वारा विस्तार गतिविधि के तहत औद्योगिक ग्राम रसमड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया। विस्तार गतिविधि से तात्पर्य संकलित ज्ञान का आदान-प्रदान के माध्यम से विस्तार करना है, जिसके तहत महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी गांव के विद्यालयों में पहुंचकर आयोजन के उद्देश्य को चरितार्थ करते हैं।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रसमड़ा विद्यालय के विद्यार्थियों को कैरियर गाइडेंस, मोबाइल के दुष्प्रभाव तथा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अध्ययन के विविध क्षेत्रों की जानकारी दी। स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। देश-भक्ति सामाजिक-दायित्व तथा मतदाता-जागरूकता पर महाविद्यालय के मृदुल निर्मल, मो.सारिक, हरीश साहू एवं मो. आदिल ने भावपूर्ण काव्य पाठ किया। महाविद्यालय की छात्राओं सुमन एवं रंजना ने स्त्री-जनित स्वास्थ्य समस्याओं पर विद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया। अपने शिक्षकों की प्रेरणा से रसमड़ा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोक नृत्य तथा शास्त्रीय नृत्य से विद्यालय प्रांगण में उपस्थित दर्शकों एवं विद्यार्थियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने हिन्दी के महत्व तथा हिन्दी विषयक रोजगार पर विस्तार से जानकारी दी। संस्कृत के विभागाध्यक्ष जनेन्द्र दीवान ने संस्कृत की प्राचीनता तथा प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत से शिक्षित व्यक्ति के लिए कभी भी रोजगार की समस्या नहीं होती, संस्कृत रोजगार का द्वार है। रसमड़ा विद्यालय के प्राचार्य एम.एल. चंदेल ने विस्तार गतिविधि के लिए रसमड़ा विद्यालय के चयन के लिए महाविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में रसमड़ा विद्यालय के व्याख्याता एन. जोशी, आर. दहरे, बी. बंजारे, एम.मांडवी, एस. हुमने, व्ही.वर्मा, व्ही.एल. नोरके, एन. जोशी तथा महाविद्यालय के डॉ. बलजीत कौर, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. लता गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय एवं रसमड़ा विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे। जे.एस गावरे एवं डॉ. रजनीश उमरे ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। एन.व्ही.एस. नलिन ने आभार व्यक्त किया।

Extension Activity (Session 2023-24) Village Kosrangi, Dayanand Sanskrit School, Date :14.01.2024.

संस्कृ त के विद्यावथिय ं ने संस्कृ त महाविद्यालय क सरं गी महासम ुंद में वकया ज्ञान का आदान-प्रदान साइंस कॉलजे दगि ु के संस्कृ त एिं एनएसएस के विद्यावथिय ं ने महासम ुंद वजले में स्थथत महवषि दयानंद संस्कृ त महाविद्यालय का भ्रमण वकया तथा ज्ञान का आदान-प्रदान वकया।

विस्तार गवतविवि कायिक्रम के अन्तगितं महाविद्यालय के प्राचायि डॉ .एम ए वसद्दीकी ने हरी झंडी वदखाकर विद्यावथय ि ं क रिाना वकया । इस विस्तार गवतविवि कायिक्रम में टीम मैनेजर के रू प में संस्कृत विभागाध्यक्ष प्र.जनेंद्र क ुमार दीिान एिं िनस्पवत शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.म ती राम साहू तथा राजनीवत विज्ञान विभाग के अवतवथ प्राध्यापक डॉ.राखी भारती के सहय ग से यह शैक्षवणक गवतविवि की बहुत अच्छी यात्रा रही । संस्कृत के छात्र ं ने महवषि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय क सरं गी महासम ुंद में मंत्र पाठ ,श्ल क पाठ एिं सूत्र पाठ जैसी संस्कृत की विि िाओं का ज्ञान प्राप्त वकया।

संथथा के िावषिक समार ह में बडी संख्या में श्रद्धाल ु गण उपस्थथत थे। कायिक्रम में सास्कृवतक कायिक्रम का आय जन भी वकया गया था। वजसमें क्षमा दे िागनं प खराज की टीम के कमाि नृत्य एिं सत एक वमरचन टीम की पथी नृत्य ने सभी दशक ि ं का मन म ह वलया। इस अिसर पर टीम मैनेजर एनएसएस अविकारी प्र जनेंद्र क ुमार दीिान, रे डक्रॉस स सायटी प्रभारी प्र म तीराम साहू तथा डॉ राखी भारती का साल श्री फल तथा स्मृवत वचन्ह देकर सम्मान वकया गया।

इस अिसर पर एनएसएस अविकारी प्र जनेंद्र क ुमार दीिान ने सभी विद्यावथय ि ं क आगे बढ़ने के वलए समय प्रबंिन क जरूरी बताया।

प्र म तीराम साहू ने कहा वक पहले आप अपना सही लक्ष्य वनिारिरि त कीवजए वफर सब य जना बद्ध तरीके से जीिन में आगे बढ़ते जाएगं।े

गरु ु क ुल एिं महाविद्यालय के प्राचायि आचायि मुक े श क ुमार शास्त्री ने उनका संस्कृत सावहत्य के विषय में मागिदशिन वकया ।इस अिसर पर डॉ.अजय क ुमार आयि जी उपस्थथत थे । उन्ह नें विद्यावथय ि ं क अपने प्रेर णादाई िचन ं से प्रेररत वकया ।संस्कृत एिं एनएसएस के छात्र ं ने ल क नृत्य प्रस्तुत वकया तथा संथथा के विद्यावथय ि ं ने लघ ु संस्कृत नाटक से सभी विद्यावथय ि ं क प्रेररत वकया ।

इस अिसर पर संथथा के वशक्षक गण उपस्थथत थे वजसमें आचायि स ुरे श क ुमार शास्त्री ,आचायि मन ुदे ि कायिक्रम में विशेष रू प से उपस्थथत रहे ।

कायिक्रम में संस्कृत एिं राष्ट्रीय सेिा य जना के विद्यावथिय ं ने सेिा का कायि भी वकया वजसमें उन्ह ंने संथथा के िृद्ध आश्रम में रहकर संथथा की सफाई की तथा उनसे बहुत क ुछ सीखा।

साइंस कॉलेज द ्गि के िनस्पवत शास्त्र विभाग की ओर से सभी ने स्थं था में पयािरि ण संरक्षण हत ्े
िृक्षार पण तथा स्वच्छता कायक्रमि में अपना सहय ग प्रदान वकया। एनएसएस के स्वयं सेिक ं ने िहां आएहुए अवतवथय ं के वलए व्यिथथा में भी सहय ग वकया।

इसके पश्चात विद्यावथय ि ं ने भीमख ज,खल्लारी माता मंवदर का पररचय पाया,वजसका महाभारत कालीन भीमपाि ं तथा नौका विराजमान है । िहां पर दशनि वकया तत्पश्चात चंडी मंवदर का दशनि वकया वजसमें विद्यावथयि ं ने िहां के क्षेत्रीय सास्कवतकृं इवतहास क समझा।

कायक्रमि में मख्य् रूप से सत एक, रवतक ,प खराज तथा सतीश चंद्राकर ने इस कायक्रमि में अपने दल का नेतृत्व वकया।

आर्यज्योति गुरुकुल आश्रम कोसरंगी
21 वां वार्षिक महोत्सव
महर्षि दयानन्द सरस्वती
200वीं जयन्ती समारोह

आर्य ज्योति सेवा संस्थान द्वारा संचालित
आर्य गौशाला - कोसरंगी
आपका हार्दिक स्वागत करता है।.....
GPS Map Camera
Amawash, Chhattisgarh, India
35J8+R2, Amawash, Chhattisgarh 493445, India
Lat 21.081432°
Long 82.165478°
14/01/24 06:37 AM GMT +05:30
Google

आर्षज्योति गुरुकुल आश्रम कोसरंगी
वां वार्षिक महोत्सव
महर्षि दयानन्द सरस्वती
जयन्ती समारोह
कुण्डीय राष्ट्रभृत

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग
संस्कृत विभाग एवं

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
हिंदी एवं संस्कृत विभाग
GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WV+FW4, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196128°
Long 81.295163°
18/01/24 01:09 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ याद
. स्वशासी महा. दुर्ग
ख्यान - छत्तीस
कला एवं संस्कृति
(पीएम
आयोजक -
विभाग
श्री मन कुरेशी
विद्याऽमृतमश्नुते

, ”

Malviya Nagar, Chhattisgarh, India

57WV+FW4, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India

Lat 21.196128°

Long 81.295163°

8/01/24 01:09 PM GMT +05'30

GPS Map Camera
Durg,CT,India
Malviya Nagar, Durg, 491001, CT, India
Lat 21.196542, Long 81.295559
01/18/2024 01:32 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GOVT. V.Y.T. P.G. AUTONOMOUS COLLEGE
DURG (C.G.)

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
हिंदी एवं संस्कृत विभाग
18.01.2024
GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WV+FW4, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196128°
Long 81.295163°
18/01/24 01:09 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग

वदनांक 18.01.2024

साईस कालेज, द्ुर्ग में छत्तीसर्ढ़ी लोक कला एिं संस्कृ क्तपर व्याख्यान का आयोजन ।

शासकीय विश्वनाथ यादि तामस्कर स्नातकत्तर स्वशासी महाविद्यालय, द,गि के वहन्दी एिं संस्कृ त विभाग के सय,क्त तत्वािािान में छत्तीसगढ़ी लक कला एिं संस्कृ वत पर व्याख्यान का आय जन वकया गया, वजसमें म,ख्यिक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ के जाने माने लक कलाकार हेमलाल कौशल, म ना सेन एिं छत्तीसगढ़ी वफल् ं के अवभनेता मन क,रैशी जी आमंवत्रत थे।

कायिकम में महाविद्यालय के प्राचायि डॉ. एम.ए. वसद्दीकी, ने अपने अध्यक्षीय उद्ब िन में कहा वक कला एक नैसवगिक ग,ण ह ता है, और मेहनत से उसे अवजित भी वकया जा सकता है। एक कलाकार क अपनी कला क उभारने में बहुत संघषि करने पडते है, तभी िह सफलता के आयाम क छू पाता है।

छत्तीसगढ़ी वफल् के ल कवप्रय एिं सफल अवभनेता मन क,रैशी ने अपने िक्तव्य में कहा वक छत्तीसगढी ल क कला क बचाये रखने िाले कलाकार ं का सम्मान ह ना चावहए तभी हमारी संस्कृ वत स,रवक्षत रहेगी। महाविद्यालय में ल क कलाकार के रूप में इतना सम्मान पाकर मैं बहुत गौरिांवित महसूस कर रहा हूं। आज नाटक, गम्मत, पंडिानी जैसी ल ककला क बचाने की आिश्यकता है। उन्ह ंने अपने जीिन के संघषि के बारे में विस्तार से बताया तथा विद्यावथिय ं क संघषि कर आगे बढ़ने के वलए प्रेररत वकया। जीिन में पढ़ाई के साथ-साथ वकसी हुनर का ह ना बहुत जरूरी है। उन्ह ंने महाविद्यालय में अवतवथ के रूप में ब,लाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचायि एिं आय जक ं का आभार व्यक्त वकया।

दूसरे िक्ता के रूप में उपस्थथत म ना सेन ने अपने उद्ब िन में कहा वक
हर

सफल कलाकार के सफलता के पीछे संघषि की कहानी ज,डी ह ती ह।ै उन्हनें बच् ं क सच्ाई एिं ईमानदारी से माता-वपता और गरु, का सम्मान करते हुए मेहनत करने की प्रेरणा दी। म ना सेन ने आगे कहा वक वजंदगी बहुत महत्वपणूि ह ती है, कभी भी तनाि में आकर गलत कदम मत उठाना क् कं
वजंदगी न वमलगीेे ं द बारा। म,झे बहुत आश्चयि ह ता है, वक बॉलीि,ड एिं छालीि,ड में यिाओ, ं द्वारा वकएजा
रहे आत्म हत्या जैसे गलत कदम उठाये जा रहे है. आप ल ग अपने पररिार एिं माता-वपता का ध्यान रखते हुए कभी ऐसे कायि न करें। अतं में उन्हनें छत्तीसगढ़ी में ददररया की प्रस्तवत, दी।

छत्तीसगढी एिं भ जप,री वफल् अवभनेता तथा ल कवप्रय कलाकार राग अन,राग के संथथापक श्री हेमलाल कौशल ने अपने व्याख्यान में कहा वक कलाकार छ टा या बडा नही ह ता, उसे वशवक्षत ह ना जरूरी ह ता है। वशक्षा पर ज र देते हुए अपने जीिन के अन,भि के आिार पर कहा वक जब कलाकार वशवक्षत ह ते

हैं, तभी समय के साथ आगे बढ़ पाते हैं। उन्होंने अपने जीिन के संघषि के वदन ं के याद करते हुए बच् से भी आग्रह वकया वक िे जीिन में कभी मेहनत और संघषि करने से पीछे न हटे।

कायिकम में िन्यिाद ज्ञापन एिं आभार प्रदशिन वहन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अवभनेष स ुराना ने वकया। स्वागत भाषण संस्कृ त विभाग के विभागाध्यक्ष प्र. जनेन्द्र कुमार दीिान ने वदया।

कायिकम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे के द्वारा वकया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ी वफल् ं के कलाकार से वफल् एिं ल क कला से संबंवित बहुत से प्रश्न वकये, वजनका अवतवथ िक्ताओं ने बहुत संत ष जनक उत्तर वदया। कायिक्रम में बडी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापक, स्नातक, स्नातक त्तर एिं श िाथी छात्र- छात्राएं उपस्थथत थे।

संस्कृ त संभाषण पर कायगशाला का आयोजन

वदनांक 22 मे से 31 मई पयन्त

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय: दुर्गम्, छत्तीसगढप्रदेश:
संस्कृत–सम्भाषण–शिविरम्
तिथिः – 22.05.2023 दिनाङ्कतः 31.05.2023 पर्यन्तम्
समय: प्रात: १०:०० वादनात्
आयोजक: - संस्कृत - विभाग:
GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WX+Q26, Deepak Nagar, Malviya Nagar,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196774°
Long 81.29691°
22/05/23 12:15 PM GMT +05:30
Google

संस्कृत संभाषण शिविर में सभी वर्ग के लोग सीख रहे संस्कृत में बोलना

साइंस कॉलेज में सोमवार को शिविर का उद्घाटन, संस्कृत का महत्व बताया

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

साइंस कॉलेज में 22 मई से संस्कृत संभाषण शिविर लगाया गया है। 31 मई तक चलने वाले शिविर में सभी वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं। उन्हें संस्कृत का महत्व के साथ संस्कृत में बोलने और लिखने की कला सिखाई जा रही है। शिविर का उद्घाटन करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि संस्कृत सबसे प्राचीन तथा वैज्ञानिक भाषा है। हम सबको गर्व होना चाहिए कि विश्व की सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद है। हमें अपनी इस विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन करना होगा। उसमें उपलब्ध ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

विषय विशेषज्ञ संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. बहुरन सिंह पटेल ने कहा कि संस्कृत न केवल योग एवं आयुर्वेद की भाषा है, अपितु संस्कृत में रसायन शास्त्र, खगोल विद्या, भूगोल विद्या, नक्षत्र विद्या, भौतिक शास्त्र, वनस्पति शास्त्र तथा ऐसी अनेक विद्याएं शामिल हैं। हमें उन विद्याओं को आधुनिक शिक्षा के साथ उपलब्ध कराना है। आज बीएएमएस के विद्यार्थी चरक संहिता, सुश्रुत संहिता के कुछ अंश पढ़ते हैं, परंतु लोगों को यह नहीं पता यह संस्कृत साहित्य के ही महत्वपूर्ण अंश हैं। वैशाली नगर के प्रो. महेश कुमार अलेंद्र ने विद्यार्थियों को संस्कृत का महत्व बताया। शिविर के मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रणजीत शास्त्री ने संस्कृत के विशाल एवं समृद्ध साहित्य परंपरा का उल्लेख किया। उसकी वैयाकरणिक वैज्ञानिकता की जानकारी दी। इससे पहले महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसमें ईश्वरी देवांगन, संध्या बघेल, खिलुदास, मोरध्वज, सतेक, प्रतिमा, रूपाली पटेल आदि का सहयोग है।

प्रभारी प्राचार्य ने संस्कृत शिविर का उद्घाटन किया, उपस्थित अतिथि।

संस्कृत संभाषण शिविर में सभी वर्ग के लोग सीख रहे संस्कृत में बोलना

दैनिक भास्कर 23.05.23

साइंस कॉलेज में सोमवा ... बताया

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

साइंस कॉलेज में 22 मई से संस्कृत संभाषण शिविर लगाया गया है। 31 मई तक चलने वाले शिविर में सभी वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं। उन्हें संस्कृत का महत्व के साथ संस्कृत में बोलने और लिखने की कला सिखाई जा रही है। शिविर का उद्घाटन करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि संस्कृत सबसे प्राचीन तथा वैज्ञानिक भाषा है। हम सबको गर्व होना चाहिए कि विश्व की सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद है। हमें अपनी इस विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन करना होगा। उसमें उपलब्ध ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

विषय विशेषज्ञ संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. बहुरन सिंह पटेल ने कहा कि संस्कृत न केवल योग एवं आयुर्वेद की भाषा है, अपितु संस्कृत में रसायन शास्त्र, खगोल विद्या, भूगोल विद्या, नक्षत्र विद्या, भौतिक शास्त्र, वनस्पति शास्त्र तथा ऐसी अनेक विद्याएं शामिल हैं। हमें उन विद्याओं को आधुनिक शिक्षा के साथ उपलब्ध कराना है। आज बीएएमएस के विद्यार्थी चरक संहिता, सुश्रुत संहिता के कुछ अंश पढ़ते हैं, परंतु लोगों को यह नहीं पता यह संस्कृत साहित्य के ही महत्वपूर्ण अंश हैं। वैशाली नगर के प्रो. महेश कुमार अलेंद्र ने विद्यार्थियों को संस्कृत का महत्व बताया। शिविर के मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रणजीत शास्त्री ने संस्कृत के विशाल एवं समृद्ध साहित्य परंपरा का उल्लेख किया। उसकी वैयाकरणिक वैज्ञानिकता की जानकारी दी। इससे पहले महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसमें ईश्वरी देवांगन, संध्या बघेल, खिलुदास, मोरध्वज, सतेक, प्रतिमा, रूपाली पटेल आदि का सहयोग है।

प्रभारी प्राचार्य ने संस्कृत शिविर का उद्घाटन किया, उपस्थित अतिथि।

भारतीय ज्ञन परंपरा पर व्याख्यान का आयोजन

वदनांक **27.01.2024**

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत) दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण
आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदा:
स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली
डॉ. बहुरन सिंह पटेल
सहायक प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष व्याकरण
शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57WW+GVH, दीपक नगर, मालवीय नगर, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196403°
Long 81.296802°
27/01/24 12:47 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत) दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण
आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदा:
स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली
डॉ. बहुरन सिंह पटेल
सहायक प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष व्याकरण
शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
GPS Map Camera
दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत
4884+W5V, उठाई मार्ग, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491221, भारत
Lat 21.117468°
Long 81.305386°
27/01/24 12:33 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण

GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57WW+GVH, दीपक नगर, मालवीय नगर, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.19641°
Long 81.296846°
27/01/24 12:35 PM GMT +05:30
Google